(This question paper contains 1 printed page)

Roll No.

Sl. No of Question Paper:2971

Unique Paper Code: FALC-SKT F -2

Name of the Paper: Applied Language Course (Sanskrit)

Name of the Course: Bachelor with Honours

Semester: II

Time Allowed : **01 Hours**
समय - एक घण्टा

Maximum Marks – **20**
पूर्णाङ्क - **20**

Note – Express your views and ideas on any two of the following questions. The answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper. All questions carry equal marks.

टिप्पणी - निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों पर अपना दृष्टिकोण और विचार व्यक्त कीजिये। इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये। सभी प्रश्नों के अङ्क समान हैं।

1. आधुनिकसमाजे 'वसुधैव कुटुम्बकम्', इत्येतत् कथनं युक्तियुक्तं न वा इति विषयम् अधिकृत्य स्वविचारान् प्रकटीकुर्वन्तु।
आज के समाज में 'पूरी वसुधा ही एक कुटुम्ब है', यह कथन कहाँ तक युक्तिसङ्गत है, अपने विचार प्रकट करें।
What are your ideas about the relevance of the statement 'The Entire World is a family' in modern society? **10**

2. 'सा श्रीः या न मदं कुर्यात्' स्पष्टीकुरुत।
'वही धन है, जिससे तुममें अहङ्कार न आये'–स्पष्ट कीजिये।
Explain 'Money is called wealth only when it does not intoxicate you.' **10**

3. 'ज्ञानं परमं ध्येयम्– इत्येतस्य मुम्बईनगर्यां स्थितस्य भारतीय-प्रौद्योगिकी-संस्थानस्य आदर्शवाक्यस्य आशयः भवतः विचारे कः?
आपके विचार में मुम्बई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के आदर्शवाक्य 'ज्ञान ही परम ध्येय है' का अभिप्राय क्या है?
What is the significance of the motto of Indian Institute of Technology, Mumbai – 'Knowledge is the Supreme Goal' in your opinion? **10**

4. 'नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः' (2-24) इति एषा श्रीमद्भगवद्गीतायाः पंक्तिः आत्मनः कीदृशं स्वरूपं प्रस्तौति?
"यह (आत्मा) नित्य, सब ओर गया हुआ, स्थाणु, अचल और सनातन है"–श्रीमद्भगवद्गीता की यह पंक्ति आत्मा के किस प्रकार के स्वरूप को प्रस्तुत करती है?
Explain the concept of Atman on the basis of Shrimadbhagvadgita's line "This Soul is eternal, omnipresent, immovable, constant and everlasting". **10**

5. संस्कृतसाहित्यस्य कमपि ग्रन्थमाधारीकृत्य स्वान् विचारान् लिखत।
संस्कृत साहित्य में लिखे गये किसी ग्रन्थ (पुस्तक) पर अपने अनुभव या निबन्ध लिखें।
Express your ideas about one of the books of Sanskrit literature. **10**